सांध्य दैनिक
4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 7 ● अंक: 304 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 11 दिसम्बर, 2021

मूल्य ₹ 3/-

हान सपने देखने वालों के महान सपने हमेशा पूरे होते हैं।

-अब्दुल कलाम

पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर की दूसरी... 8 | मिशन 2022 : 45 सूत्री फॉर्मूले... 3 | कांग्रेस प्रत्याशियों की पहली... 7

सरयू नहर परियोजना पर सियासत शुरू

बलरामपुर में 'अटल इरादे से' चुनावी नैया पार करेगी भाजपा

» **पीएम मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री के नाम पर मजबूत किया वोट बैंक**

» **प्रधानमंत्री ने सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना का किया शुभारंभ**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव 2022 के करीब आते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यूपी के बलरामपुर में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर जनता से सहानुभूति दांव खेला है। पीएम मोदी ने आज अपने संबोधन में पूर्व प्रधानमंत्री के नाम पर भाजपा का वोट बैंक मजबूत किया है। उन्होंने आज बलरामपुर में सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना का शुभारंभ किया।

इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि जब भी हम अयोध्या में राम मंदिर की बात करेंगे, बलरामपुर रियासत (पूर्ववर्ती) के महाराजा पटेश्वरी प्रसाद सिंह साहब के योगदान का उल्लेख किया जाएगा। साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि बलरामपुर के लोग पारखी हैं, उन्होंने नानाजी देशमुख और अटल बिहारी वाजपेयी के रूप में दो भारत रत्न दिए हैं। गोरखपुर में सात दिसंबर को देश को बड़ा खाद का कारखाना व एम्स गोरखपुर समर्पित करने के चार दिन बाद पीएम मोदी पांच नदियों तथा नौ जनपदों को जोड़ने वाली इस राष्ट्रीय परियोजना का शुभांरभ किया, जिसका काम 1971 में किया गया था, लेकिन इसको अंजाम तक लाने का काम प्रदेश की योगी सरकार ने किया है। बता दें कि यूपी के बहराइच, श्रावस्ती और बलरामपुर से होकर गोरखपुर तक जाने वाली 318 किलोमीटर लम्बी और करीब 9,800 करोड़ रुपए की लागत वाली सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना से 29 लाख के करीब किसानों को फायदा होगा। इस परियोजना से 14 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि की सिंचाई के लिए सुनिश्चित पानी मिलेगा। जिससे पूर्वी उत्तर प्रदेश के 6200 से अधिक गांवों के लगभग 29 लाख से ज्यादा किसान लाभान्वित होंगे।

अखिलेश का दावा

सपा सरकार में तीन चौथाई काम, भाजपा ने पांच साल लगाए बाकी का काम कराने में

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दावा किया है कि सरयू नहर परियोजना का काम सपा सरकार में तीन चौथाई पूरा हो गया था। बाकी का काम कराने में भाजपा सरकार ने पांच साल का समय लगा दिया। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि सपा के समय तीन चौथाई बन चुकी 'सरयू राष्ट्रीय परियोजना' के शेष बचे काम को पूर्ण करने में उप्र भाजपा सरकार ने पांच साल लगा दिए। 2022 में फिर सपा का नया युग आएगा, विकास की नहरों से प्रदेश लहलहाएगा। अखिलेश ने कहा भाजपा सरकार नाम बदलने में आगे है। उन्होंने कहा मुफ्त सिंचाई, मुफ्त लोहिया आवास सपा सरकार की प्राथमिकता है। बेटियों को रानी लक्ष्मीबाई सम्मान दिया गया। मगर भाजपा ने सत्ता में आते ही सब योजनाएं बंद कर दी। 808 किमी लंबी इस नहर योजना से किसानों को महंगी सिंचाई की परेशानी से प्रभावी तौर पर छुटकारा मिलेगा, यह कोशिश सपा सरकार की थी। बता दें कि गोंडा जिले में यह सरयू नहर बहराइच से होकर प्रवेश करेगी।

हम हर चुनौती का मुकाबला करेंगे : मोदी

पीएम मोदी ने कहा, जनरल बिपिन रावत आने वाले दिनों में अपने भारत को नए संकल्पों के साथ, वे जहां होंगे वहां से भारत को आगे बढ़ते हुए देखेंगे। देश की सीमाओं की सुरक्षाओं को बढ़ाने का काम, देश की सेनाओं को आत्मनिर्भर बनाने का अभियान, तीनों सेनाओं में तालमेल बढ़ाने का काम तेजी से आगे बढ़ता रहेगा। भारत दुख में है लेकिन दर्द सहते हुए भी अपनी न गति रोकते हैं और न ही हमारी प्रगति। भारत रुकेगा नहीं, भारत थमेगा नहीं। पीएम मोदी ने कहा सीडीएस जनरल बिपिन रावत का जाना हर भारत प्रेमी के लिए बहुत बड़ी क्षति है।

जनरल बिपिन रावत जैसे वीर थे देश में, सेना को ऐसे जाबांज सिपाही पर गर्व है : राष्ट्रपति

» **उत्तराखंड में आईएमए की पासिंग आउट परेड में कोविंद को सलामी**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

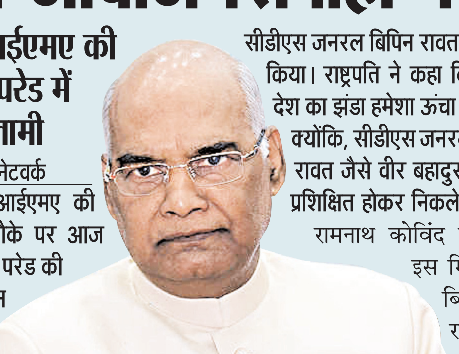

देहरादून। उत्तराखंड में आईएमए की पासिंग आउट परेड के मौके पर आज राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने परेड की सलामी ली। इस दौरान कैडेट्स को संबोधित करते हुए उन्होंने सीडीएस जनरल बिपिन रावत को याद किया। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे देश का झंडा हमेशा ऊंचा ही रहेगा क्योंकि, सीडीएस जनरल बिपिन रावत जैसे वीर बहादुर यहीं से प्रशिक्षित होकर निकले थे।

रामनाथ कोविंद ने कहा इस मिट्टी ने बिपिन रावत जैसे वीर दिए, देश को उन पर गर्व है। उन्होंने कहा कि मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि 387 जेंटलमैन कैडेट जल्द ही अपनी वीरता और ज्ञान की यात्रा पर निकलेंगे। पासिंग आउट परेड के बाद 319 कैडेट भारतीय सेना का हिस्सा बन गए। इसी के साथ 68 विदेशी कैडेट भी पास हुए। राष्ट्रपति ने कहा कि अफगानिस्तान, भूटान, मालदीव, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका, ताजिकिस्तान, तंजानिया, तुरमेकिनिस्तान और वियतनाम के कैडेट होने पर भारत को गर्व है।

अगर सरकार ने ड्रामा किया तो हम वापस करेंगे आंदोलन : राकेश टिकैत

» **15 दिसंबर तक खाली हो जाएंगे बॉर्डर**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कृषि कानूनों की वापसी और अन्य मांगों पर केंद्र से मिली सहमति के बाद से किसान की घर वापसी शुरू हो गई है। बॉर्डर पर 380 दिनों से डेरा डाले किसान घरों का रुख करने लगे हैं।

भारतीय किसान नेता राकेश टिकैत ने आज कहा कि अगर सरकार किसानों की मांगों को पूरा नहीं करती, तो हम वापस आंदोलन करेंगे। सरकार का ड्रामा हम नहीं सहेंगे। आगामी उत्तर प्रदेश चुनाव को लेकर टिकैत बोले कि मैं जल्द ही अपने फैसले के बारे में समर्थकों को बताऊंगा। मैं यूपी के अलग-अलग हिस्सों में जाऊंगा। मुझे कोई नहीं रोक सकता।

बीजेपी रणनीति तो विपक्ष बना रही हवा नीति : केशव मौर्य

» आजमगढ़ में कहा- 100 में से 60 हमारा, 40 फीसदी वोटों में बंटवारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजमगढ़ दौरे पर पहुंचे डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने सपा पर निशाना साधा। कहा कि 100 फीसदी में 60 हमारा है और बाकी में बंटवारा है। बंटवारे में भी हमारा है। भाजपा एक बार फिर सरकार बनाने जा रही है। अखिलेश के 400 सीटों के दावे पर पलटवार करते हुए कहा कि सपा अध्यक्ष सिर्फ अपनी पार्टी का स्टिकर लेकर चल रहे हैं। वो 40 साल तक सत्ता में नहीं आने वाले हैं। सपा 2017 भी दोहराने की स्थिति में नहीं है। डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा कि जिस तरह से आजकल बड़ी संख्या में गुंडे-माफिया सपा के साथ चल रहे हैं, उससे सपा की स्थिति और खराब होगी।

भाजपा रणनीति के तहत काम कर रही है, विपक्ष सिर्फ हवा नीति बना रही। केशव मौर्य ने दावा कि बसपा का वोट भाजपा के पास आ रहा है। सपा, बसपा, कांग्रेस में शोषण करने वाले लोग हैं। इन्होंने जनता को लूटा है और भ्रष्टाचार किया, जिसका दंड इन्हें मिल रहा है। 2022 में इनकी पूरी विदाई का वर्ष है। केशव ने 454 करोड़ की लागत से बनने वाली 242 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। कहा कि जो काम अभी बाकी रह गए हैं, उन्हें जल्द पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले व बाद के आजमगढ़ में लगातार परिवर्तन हो रहा है। जो काम अधूरे रह गए हैं, उन्हें पूरा किया जाएगा। भाजपा रणनीति के तहत काम कर रही है, जबकि विपक्ष के लोग सि र्फ हवानीति बना रहे हैं। हवा में विपक्ष हवाबाजी कर रहा है। हमारी लगातार बैठकें चल रही हैं, सभाएं हो रही हैं। आजमगढ़ जनपद 2014, 2017, 2019 का बदला आने वाले चुनाव में लेगा। इस बार भाजपा यहां से 7 सीटों पर चुनाव जीतने जा रही है।

लगातार बढ़ रहा भाजपा का जनाधार

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा का समर्थन लगातार बढ़ रहा है। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को बढ़त मिली। 2017 के विधानसभा चुनाव में जब सपा ने कई दलों के साथ गठबंधन किया। तब भी लगातार सपा पीछे जा रही है। 2019 में भी भाजपा को प्रदेश की जनता ने अपना पूरा समर्थन देने का काम किया है। यही कारण है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 300 से अधिक सीटें जीतने जा रहा है।

छलावे में नहीं आएगी यहां की जनता

प्रदेश सरकार के संसदीय कार्य व ग्राम्य विकास मंत्री आनंद स्वरूप शुक्ला का कहना है कि अखिलेश यादव ने दो वर्ष कोरोना कॉल में यहां की जनता का हाल-चाल लेने दो बार भी नहीं आए। जबकि भाजपा के लोग निरंतर सेवा ही संगठन के तहत काम करते रहे। पूरे कोविड कॉल में भाजपा के लोग जनता के बीच में ही रहे। अब चुनाव आ गया है, सपा के लोग बरसाती मेढ़क की तरह सड़कों पर निकल पड़े हैं। मंत्री ने कहा कि पूरे यूपी के साथ आजमगढ जिले की जनता अब अखिलेश यादव के छलावे में नहीं आने वाली है। प्रदेश व जिले की जनता भाजपा के साथ खड़ी है। आने वाले चुनाव में भाजपा को बहुमत मिलने जा रहा है।

सपा-बसपा पार्टी नहीं ट्रस्ट चलाते हैं

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने गोपालपुर विधानसभा में कहा कि प्रदेश की जनता अब हिन्दू-मुसलमान से नहीं बल्कि गुंडे-माफियाओं से लड़ेगी। पूर्व की सरकारों में पुलिस गुंडों से डरती थी। लेकिन आज गुंडे पुलिस से डरते हैं। यह योगी का जमाना है। प्रदेश की कानून-व्यवस्था लगातार बेहतर हो रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 70 सालों से देश का अपमान हो रहा है। विपक्ष के लोग लगातार भारत माता बोलने पर शर्म महसूस करते थे। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जहां जाते हैं, भारत माता की जय व वंदे मातरम बोला जाता है। यह हिन्दुस्तान का सम्मान है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सपा-बसपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा-बसपा पार्टी नहीं बल्कि ट्रस्ट चलाते थे। यह लोग समाज व हिन्दुस्तान का अपमान करते हैं।

महाराष्ट्र और कश्मीर में तालिबानी विचारधारा के लोग हावी : तोगड़िया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» देश में इस समय हिंदू खतरे में

लखनऊ। महाराष्ट्र के अमरावती और कश्मीर में तालिबानी विचारधारा के लोग हावी हैं। वह पुलिस व सेना पर हमला करते हैं, सरकारें मुस्लिम तुष्टीकरण विचारधारा के कारण उन्हें संरक्षण देती है।

यह बातें अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कहीं। वह रसूलाबाद के एक गेस्ट हाउस में आयोजित हिंदू रक्षा निधि अर्पण कार्यक्रम में शामिल होने आये थे। उन्होंने कहा कि काबुल, कराची, लाहौर हमारे देश के अभिन्न हिस्से हैं। अखंड भारत बनाना हमारा लक्ष्य है। मौजूदा सरकार का नारा सबका साथ सबका विकास है, लेकिन हमारा नारा है हिंदू का साथ हिंदुत्व का विकास। हिंदुओं को हम दो हमारे दो के फार्मूले से बचना चाहिए। आज की तारीख में तालिबानियों की संख्या 50 करोड़ पहुंच चुकी है। हम लोग कमजोर हो रहे हैं। देश में इस समय हिंदू खतरे में है। तालिबानी सोच के लोग बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत के किसी भी कोने पर हिंदू हेल्पलाइन से हिंदू को सहायता देने के लिए 25 हजार कॉल सेंटर सक्रिय हैं। किसी भी गरीब हिंदू को इंडिया हेल्पलाइन से मुफ्त इलाज दिया जा रहा है। उनके इस संगठन में 10 हजार स्पेशलिस्ट डॉक्टर जुड़े हैं। प्रतिदिन एक डॉक्टर एक हिंदू का मुफ्त इलाज करता है।

बीजेपी नेता का ही आरोप, स्मृति की अमेठी में महिलाएं सुरक्षित नहीं

» रश्मि बोलीं- महिलाओं की हत्या हो रही, ऐसा अमेठी में कभी नहीं हुआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के संसदीय क्षेत्र अमेठी में दो दिन पहले हाथ-पैर बांधकर की गई एक महिला की हत्या के मामले ने तूल पकड़ लिया है। पीड़ित परिवार के साथ थाने पहुंचीं भाजपा की राष्ट्रीय महिला मोर्चा की सदस्य रश्मि सिंह ने अपनी ही सरकार में कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। थाने में सीओ और एसओ को फटकार लगाते हुए कहा कि जिले में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। इतनी शर्मनाक घटना अमेठी में कभी नहीं हुई थी।

रश्मि सिंह ने कहा कि सीओ और एसओ इसकी जिम्मेदारी लेंगे कि जिले में क्राइम क्यों बढ़ रहा है? पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए वह यहां आई हैं, लेकिन सीओ साहब एक घंटे से बैठे हुए हैं। उनको बुलाया जा रहा, लेकिन सुन नहीं रहे। रश्मि सिंह ने सीओ अर्पित कपूर से कहा कि आप अपनी कमियों पर पर्दा नहीं डाल सकते। सीओ ने जवाब देते हुए कहा कि एफआईआर लिखी गई है। रश्मि सिंह ने कहा कि अगर आरोपी पकड़े नहीं गए तो सीओ ऑफिस का घेराव होगा। बता दें कि संग्रामपुर थाना क्षेत्र के सहजीपुर गांव निवासी शकुंतला देवी मवेशियों को चराने के लिए निकली थीं। काफी देर तक खोजने के बाद शकुंतला नदी किनारे मृत अवस्था में मिलीं। शकुंतला के बेटे संदीप ने बताया कि मां के हाथ-पैर और गर्दन रस्सी से बंधे हुए थे। रश्मि सिंह भाजपा राष्ट्रीय महिला मोर्चा की सदस्य के साथ सोलर एनर्जी कार्पोरेशन लिमिटेड ऑफ इंडिया की स्वतंत्र निदेशक हैं।

शहीदों के लिए दो मिनट मौन भी न रख सके भाजपा विधायक विनोद कटियार

कानपुर (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। हेलीकॉप्टर हादसे में सीडीएस जनरल विपिन रावत और उनकी पत्नी समेत 13 अफसरों के निधन पर देश शोक में डूबा है और सरकार के मंत्रियों समेत विपक्षी नेताओं की भी आंखें नम हैं। वहीं दूसरी ओर प्रदेश सरकार के विधायक विनोद कटियार शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन भी नहीं रख पाए। शहीदों के लिए आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उनका हंसते हुए फोटो इंटरनेट मीडिया वायरल हो गया और तेजी से ट्रोल होना शुरू हो गया। ट्विटर पर लोगों ने उनकी इस हरकत को बेहद शर्मनाक बताया तो किसी ने उनकी चाल और चरित्र पर सवालिया निशान उठाया।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

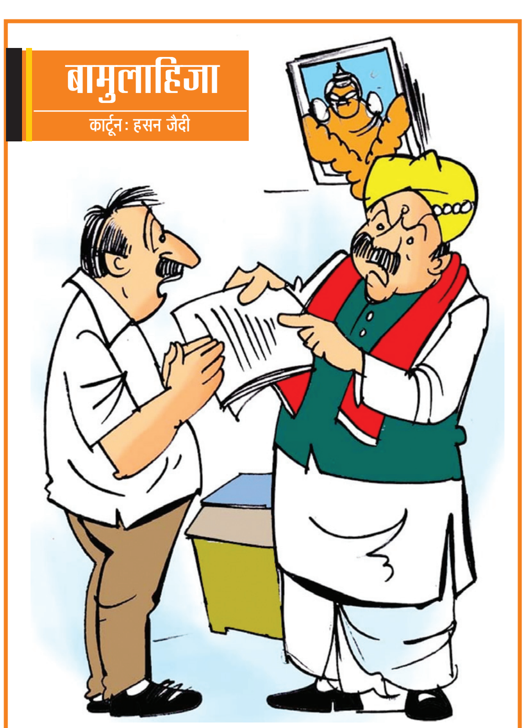

बीजेपी की अनुकंपा पर हैं सहनी : निषाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश चुनाव की तारीख जैसे-जैसे करीब आती जा रही है राजनीतिक दलों की सक्रियता बढ़ती जा रही है। पड़ोस के राज्य के चुनाव का असर बिहार की सियासत पर भी पड़ रहा है। खासकर सत्ता पक्ष के गठबंधन एनडीए के दलों में बयानबाजी तेज हो चुकी है।

भाजपा और जदयू में सीट पर तालमेल नहीं हो सकी है। इधर अलग चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके बिहार सरकार के मंत्री और वीआईपी के अध्यक्ष मुकेश सहनी यूपी में भाजपा सरकार को टक्कर देने की तैयारी में जुटे हैं। अब एक नया बयान देकर चर्चा में आ गए हैं। मुजफ्फरपुर के सांसद अजय निषाद को लेकर सहनी ने ऐसे शब्द बोल दिए हैं जिससे सियासी घमासान मचा है। सांसद अजय निषाद ने कहा कि मुकेश सहनी बीजेपी की अनुकंपा पर हैं।

घर जाने से पहले सीमाओं की सफाई करेंगे किसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की तीनों सीमाओं पर किसान वापसी को लेकर हलचल तेज हो गई है। किसानों का कहना है कि धरनास्थल छोड़ने से पहले वह साफ-सफाई करेंगे, ताकि उनके जाने के बाद किसी को परेशानी न हो। वहीं दिल्ली सरकार सर्वे कराकर टूटी-फूटी सड़कों को ठीक कराएगी।

तीन कृषि कानून वापसी व अन्य मांगों को सरकार की ओर से मंजूर किए जाने पर किसानों ने लौटने की तैयारी शुरू कर दी है। एक ओर जहां सामान बांधने की तैयारी हो रही है वहीं, लंगर सेवा समेत मिठाइयां बांट रही हैं। गाजीपुर बॉर्डर पर किसानों ने मिठाइयां बांटकर एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया। साथ ही, आंदोलनकारियों को लंगर सेवा देने के साथ अन्य लोगों को भी लंगर छकाया। किसानों का कहना है कि बॉर्डर पर बड़ी संख्या में किसानों के रुकने की वजह से कई तरह के बंदोबस्त किए गए थे। इससे आसपास गंदगी भी हो गई थी।

बदले की भावना से काम कर रही भाजपा सरकार : विजय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। रामपुर में समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक विजय सिंह ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार में जनता अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रही है। चार साल में प्रदेश सरकार ने महंगाई बेतहाशा बढ़ा दी है। विकास कार्य रुके हुए हैं। जनता बदलाव चाहती है।

पूर्व विधायक ने कहा कि डबल इंजन की सरकारों ने किसानों का उत्पीड़न किया है। मजबूर होकर किसान को धरना-प्रदर्शन करना पड़ा, तब जाकर सरकार ने तीनों काले कानूनों को वापस लिया। इस दौरान 700 से अधिक किसानों को अपनी जान गंवानी पड़ी। वहीं प्रदेश में खाद के लिए किसानों को लाइनों में लगना पड़ रहा है। किसानों की फसल का दाम भी सही से नहीं मिल पा रहा है। भाजपा सरकार बदले की भावना से काम करती है।

मिशन 2022 : 45 सूत्री फॉर्मूले के जरिए यूपी फतह करेगी कांग्रेस

» आगामी चुनाव में सफलता के लिए आधी आबादी पर जमाई निगाहें

» अकेले दम पर चुनाव लड़ने को कांग्रेस ने कसी कमर

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में तीन दशक से ज्यादा समय से राजनीतिक वनवास भोग रही कांग्रेस ने सत्ता में वापसी के लिए आधी आबादी को साधने का बड़ा दांव चला है। अपनी राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की अगुआई में पार्टी ने इसके लिए महिला घोषणा पत्र जारी करने की अनोखी पहल की है जिसमें 2022 में होने वाले विधान सभा चुनाव में लक्ष्य संसाधने के लिए 45 सूत्री फार्मूला अपनाया गया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस की कमान संभालने के बाद किसानों, आदिवासियों, निषादों और महिलाओं के लिए कई मौकों पर संघर्ष करती नजर आईं प्रियंका गांधी वाड्रा ने मिशन 2022 में सफलता के लिए आधी आबादी पर निगाहें जमाई हैं, जिन्हें रिझाने के लिए महिला घोषणा पत्र में 45 घोषणाएं की गई हैं।

कांग्रेस के उत्तर प्रदेश मुख्यालय में घोषणा पत्र जारी करने के मंच का संयोजन भी इसकी गवाही दे रहा था, जिसके जरिए महिलाओं को खास संदेश देने की कोशिश की गई। मंच पर प्रियंका के साथ सिर्फ महिलाएं मौजूद थीं, जिनमें पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत, अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष नेटा डिसूजा और कांग्रेस विधानमंडल दल नेता आराधना मिश्रा मोना शामिल थीं। घोषणा पत्र जारी करने के मौके पर प्रियंका ने कहा भी कि आगे से प्रेस कान्फ्रेंस की पहली पंक्ति महिलाओं के लिए आरक्षित रहेगी। महिला घोषणा पत्र को लड़की हूं लड़ सकती हूं थीम सांग के साथ जारी करते हुए प्रियंका ने कहा कि उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा का हाल सभी जानते हैं। हर दिन महिलाएं मुझसे मिलती हैं, अपना दर्द कहती हैं। पुलिस-प्रशासन अपराधी के साथ होते हैं क्योंकि उनकी सत्ता से नजदीकी होती है। महिलाएं पीड़िता नहीं बने रहना चाहती हैं। वे अपने हक के लिए लड़ना चाहती हैं। लड़की हूं लड़ सकती हूं नारा महिलाओं की इसी अकुलाहट से निकला है। उन्होंने बताया कि पार्टी का समग्र घोषणा पत्र भी जल्दी जारी किया जाएगा।

100 फाइनल टिकटों में 60 महिलाएं

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि विधायिकाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी बमुश्किल 14 प्रतिशत है। महिलाओं को 40 प्रतिशत टिकट देने का फैसला विधायिका में उनकी भागीदारी बढ़ाने और महिला सशक्तीकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। यह भी बताया कि टिकटों के लिए प्राप्त हुए आवेदनों की स्क्रीनिंग के बाद जो 100 टिकट अब तक फाइनल हुए हैं, उनमें 60 महिलाएं हैं। कांग्रेस के प्रत्याशियों की पहली सूची जल्दी जारी होगी।

पंचायत स्तर तक कांग्रेस की कमेटियां गठित

सूत्र बताते हैं कि इस चुनाव में कांग्रेस का किसी अन्य दल के साथ तालमेल का विचार नहीं है। अंशु अवस्थी बताते हैं कि कांग्रेस कार्यकर्ता चाहते हैं कि राहुल गांधी पार्टी के अध्यक्ष बनें। राहुल सर्वसम्मति से पार्टी अध्यक्ष बनेंगे। सभी नेता और कार्यकर्ता उन्हें पार्टी की कमान सौंपना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह वह खुद पश्चिमी यूपी के दौरे पर जा रहे हैं। वहां कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कर संभावित प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा करेंगे। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने पंचायत स्तर तक कांग्रेस की कमेटियां गठित की हैं। वहां डेडिकेटेड काल सेंटर शुरू किए गए हैं। यह सेंटर जमीनी हकीकत जांचते हैं।

कार्यकर्ताओं में भी जोश

प्रियंका गांधी के यूपी की कमान संभालने के बाद से कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में जोश भर गया है। खुद प्रियंका लगातार प्रदेश का दौरा कर लोगों से संवाद स्थापित करने की कोशिश कर रही है। वे लगातार प्रदेश सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेर भी रही हैं।

धार्मिक आस्था के लिए मुझे सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं

एक सवाल के जवाब में प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि मुझे अपनी धार्मिक आस्था के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सर्टिफिकेट लेने की जरूरत नहीं है। बता दें कि अयोध्या में दीपोत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि जो श्री राम का नाम भी नहीं लेते थे, अब वो माथे पर टीका लगाकर मंदिरों में जा रहे हैं। प्रदेश में फिर भाजपा की सरकार बनी तो ऐसे लोग कार सेवा करते दिखेंगे। सीएम योगी के इस बयान पर जब प्रियंका से उनकी प्रतिक्रिया जानने के लिए सवाल हुआ तो उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को क्या मालूम कि मैं किस मंदिर में जाती हूं। मैं 14 साल की उम्र से व्रत रखती आई हूं। क्या वो मुझे मेरी आस्था के बारे में सर्टिफिकेट देंगे? मुझे उनके सर्टिफिकेट की कोई जरूरत नहीं है।

उत्तराखंड में पसीना बहाएंगे दिल्ली के भाजपा नेता

जीत की राह आसान करने के लिए दिल्ली के नेता व कार्यकर्ता मथेंगे पहाड़ों की डगर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव नजदीक है। दोनों राज्यों में भाजपा का शासन है और पार्टी लगातार दूसरी बार जीत हासिल कर इतिहास रचने की कोशिश में लगी हुई है। जीत की राह आसान करने के लिए दिल्ली के नेता व कार्यकर्ता भी वहां जाएंगे। इसकी तैयारी शुरू हो गई है। उत्तर प्रदेश के 45 और उत्तराखंड के 20 विधानसभा क्षेत्रों में यहां के नेता चुनाव प्रबंधन की कमान संभालेंगे।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व रोहिणी के विधायक विजेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली के अन्य नेता व कार्यकर्ता उत्तर प्रदेश चुनाव प्रचार में अपना योगदान देंगे। इनमें गौतम गंभीर और मनोज तिवारी जैसे नाम भी है, जिनकी देशभर में पहचान है। विजेंद्र गुप्ता के साथ दिल्ली प्रदेश भाजपा के महामंत्री दिनेश प्रताप सिंह भी गुप्ता के साथ चुनावी रणनीति बनाने में सहयोग देंगे। पिछले दिनों दोनों नेता वाराणसी जाकर भाजपा के संगठन महामंत्री बीएल संतोष, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, भाजपा महामंत्री तरुण चुघ सहित अन्य नेताओं के साथ मुलाकात कर चुनाव की रणनीति पर चर्चा की थी। इन नेताओं को रामपुर, मेरठ, अमरोहा, नोएडा, गाजियाबाद, मुरादाबाद, बुलंदशहर और संभल लोकसभा में आने वाले 45 विधानसभा क्षेत्रों का दायित्व दिया गया है। बता दें कि उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में इस बार आम आदमी पार्टी भी मैदान में उतर

चुनाव प्रबंधन का काम संभालेंगे

दिल्ली प्रदेश भाजपा के पूर्व महामंत्री राजेश भाटिया के नेतृत्व में दिल्ली के नेता उत्तराखंड के पिथौरागढ़, बागेश्वर, अल्मोड़ा, चम्पावत और नैनीताल जिले के 20 विधानसभा सीटों पर चुनाव प्रबंधन का काम संभालेंगे। भाटिया भी पिछले दिनों देहरादून में बीएल संतोष व अन्य नेताओं के साथ बैठक में शामिल हुए थे।

अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों का करेंगे दौरा

भाजपा नेताओं का कहना है कि अक्सर दिल्ली के कार्यकर्ता दूसरे राज्यों में होने वाले चुनाव में अपना योगदान देते हैं। इसी तरह से उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में भी उन्हें जिम्मेदारी दी जा रही है। चुनाव प्रचार से लेकर बूथ प्रबंधन तक में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। अगले कुछ दिनों में दोनों राज्यों में जाने वाले नेताओं व कार्यकर्ताओं की टीम तैयार हो जाएगी। दिसंबर के तीसरे सप्ताह तक उन्हें अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में भेजा जाएगा। मतदान तक सभी नेता वहीं रहेंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

लोगों के लिए चिंता का विषय बना ओमिक्रॉन

> जहां तक भारत का सवाल है तो यहां कोरोना की रफ्तार पिछले कुछ दिनों से कम हो रही है लेकिन अभी भी खतरा बरकरार है। रूस, अमेरिका के हालात इसकी पुष्टि कर रहे हैं। भारत में भी कई राज्यों में कोरोना के केस फिर बढ़ते दिख रहे हैं। यह चिंताजनक है। इसके बावजूद जिस रफ्तार से टीकाकरण शुरू हुआ था, उसमें ब्रेक लगता दिख रहा है। अभी तक 18 साल से ऊपर के लोगों को दोनों डोज नहीं लग सकी है।

भारत में बढ़ते जा रहे ओमिक्रॉन के खतरे से निपटने के लिए सेहत विभाग और मेडिकल एजूकेशन एवं रिसर्च विभाग पूरी तरह से तैयार हैं। देश में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन का खतरा लगातार बढ़ता रहा है। ऐसे में कोरोना की संभावित तीसरी लहर में पहले की तरह स्वास्थ्य सेवाएं ध्वस्त न हों, इसके लिए सेहत विभाग और चिकित्सा शिक्षा एवं शोध विभाग ने कमर कस ली हैं। वहीं कोरोना संक्रमण की रफ्तार भले कम पड़ गयी हो लेकिन अभी यह खत्म नहीं हुआ है। पांच राज्यों में जहां ओमिक्रॉन के 25 केस मिल चुके हैं। जबकि राजस्थान, पंजाब में मामले फिर बढ़ने लगे हैं। राजस्थान में बच्चे भी संक्रमित हुए हैं। केरल में अभी भी देश के कुल मरीजों का करीब पचास प्रतिशत रोजाना मिल रहे हैं। वहीं दुनिया में कोरोना की बढ़ती रफ्तार ने चिंता बढ़ा दी है। कई विशेषज्ञ तीसरी लहर की आशंका जताने लगे हैं। इन सबके बीच कोरोना टीकाकरण में उदासीनता भी दिख रही है। सवाल यह है कि कोरोना टीका को लेकर लोग लापरवाही क्यों बरत रहे हैं? अभी तक दोनों डोज लेने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा क्यों नहीं हो रहा है? वैक्सीन के बावजूद लोग दूसरी डोज लेने से कतरा क्यों रहे हैं? क्या संक्रमण की कम होती रफ्तार ने लोगों के मन से कोरोना का भय समाप्त कर दिया है? क्या केंद्र और राज्य सरकारें भी टीकाकरण को लेकर उदासीन हो चुकी हैं? क्या टीकाकरण को रफ्तार देने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत राज्य सरकारों को महसूस नहीं हो रही है?

कोरोना अभी भी दुनिया के तमाम देशों में हाहाकार मचाए हुए हैं। आस्ट्रिया में संक्रमण को देखते हुए एक बार फिर लॉकडाउन लगा दिया गया है जबकि रूस में मरीजों की संख्या में बेतहाशा इजाफा हो रहा है। अमेरिका और फ्रांस की स्थिति भी ठीक नहीं है। जहां तक भारत का सवाल है तो यहां कोरोना की रफ्तार पिछले कुछ दिनों से कम हो रही है लेकिन अभी भी खतरा बरकरार है। रूस, अमेरिका के हालात इसकी पुष्टि कर रहे हैं। भारत में भी कई राज्यों में कोरोना के केस फिर बढ़ते दिख रहे हैं। यह चिंताजनक है। इसके बावजूद जिस रफ्तार से टीकाकरण शुरू हुआ था, उसमें ब्रेक लगता दिख रहा है। अभी तक 18 साल से ऊपर के लोगों को दोनों डोज नहीं लग सकी है। कई करोड़ लोग अभी भी पहली डोज के बाद दूसरी डोज नहीं ली है। यह स्थिति तब है जब विशेषज्ञ कोरोना से सुरक्षा के लिए दोनों डोज लेने को अनिवार्य बता रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि देश में अभी बच्चों का वैक्सीनेशन नहीं शुरू हो सका है। ऐसे में जब खतरा अभी टला नहीं है कोरोना टीका को लेकर नागरिकों में बढ़ रही उदासीनता खतरे की घंटी से कम नहीं है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सांसद अपना कर्तव्य निभाएं

जगदीप छोकर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सांसदों को सदन की कार्यवाही में शामिल होने को लेकर चेताया है। उन्होंने कहा सदन की कार्यवाही में वे अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें और जिम्मेदारी व कर्तव्य का भलीभांति निर्वहन करें। प्रधानमंत्री का अपने दल के सांसदों को संसद के सत्र में नियमित रूप से भाग लेने के लिए चेतावनी देना अपने आप में बहुत असाधारण बात है। असाधारण होने का सबसे पहला कारण तो यह है कि जो लोग चुनकर संसद सदस्य बनते हैं, क्या वो इतने अपरिपक्व हैं कि उनको ये बताने की जरूरत पड़नी चाहिए कि संसद के सत्र में भाग लेना उनका धर्म है या उनकी जिम्मेदारी है। यदि इस तरह के लोग संसद सदस्य बन रहे हैं, तो हम नागरिकों को इस बात पर बहुत गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

हालांकि, एक हिसाब से देखें, तो ये अजीब बात भी नहीं है। बार-बार ऐसा देखने में आता है कि विधानसभा के चुनाव के बाद जो दल बहुमत में होता है, वह अपने विधायकों को किसी बस में बिठाकर किसी रिसॉर्ट में ले जाकर वहां उनको लगभग बंदी बनाकर रखता है। ताकि वे दल-बदल के चक्कर में न फंसें। यहां विधायकों को यह सोचना चाहिए कि उनका अपना अस्तित्व क्या है? उन्हें अपने दल के अधिकारियों, नेताओं से यह नहीं कहना चाहिए कि मैं एक जिम्मेदार नागरिक हूं और मैं जो ठीक समझूंगा वो करूंगा। लेकिन हमारे राजनीतिक वर्ग में इस तरह की बातें तो बिल्कुल खत्म हो गयी हैं, कोई इस बारे में सोचता भी नहीं है। अब बात संसद की। मैं बहुत दुख के साथ यह कहना चाहता हूं कि करीब दस वर्ष हो गये हैं, संसद के अस्तित्व को कमोबेश बिल्कुल खत्म किया जा चुका है। मेरा मानना है कि संसद को न चलने देना और पहले से फैसला करके और उसकी घोषणा करके संसद को चलने से रोकना लोकतंत्र के खिलाफ सबसे बड़ा विश्वासघात (ट्रीजन) है। जब एक दल विपक्ष में होते हुए संसद को न चलने देने को अपना राष्ट्रीय कर्तव्य समझता है और फिर जब वही दल सत्ता में आता है, तो उस समय उसके सांसदों का संसद के सत्र में भाग लेना बहुत महत्वपूर्ण बात हो जाती है। यह बात समझ से परे है। एक और प्रमुख बात यह है कि पिछले कुछ वर्षों में संसद का कार्यकाल या संसद में जिस तरह काम होना चाहिए, जैसे पहले होता था कि संसद में जो बिल आया उस पर चर्चा होती थी, सांसद बिल को विस्तार पूर्वक पढ़ते थे, फिर उस पर चर्चा होती थी, वह बिल्कुल खत्म हो गया है। अब तो संसद में सत्र शुरू होने के बाद सांसदों को बिल दिया जाता है और फिर पांच-दस मिनट के बाद वह पारित हो जाता है। मेरी समझ से अब संसद रबर स्टांप होकर रह गयी है। पिछले कुछ वर्षों में संसद में किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर अच्छी और तर्कपूर्ण चर्चा हुई ही नहीं है। संसद में लोग सिर्फ हाथ उठाने जाते हैं, ऐसे में सांसद संसद में जायें, या न जायें, क्या फर्क पड़ता है। एक बात और, जब हाथ उठवाने की जरूरत होती है, तब हर एक दल अपना-अपना व्हिप जारी करते हैं। और इसी व्हिप की डर से सांसद वहां चले जाते हैं और हाथ खड़ा कर देते हैं। इस प्रकार संसद की महत्ता को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है।

संसद में चर्चा न होना और संसद में चर्चा न होने देना, चाहे सत्तारूढ़ पक्ष की तरफ से हो, या विपक्ष की तरफ से, देश और लोकतंत्र के विरुद्ध इससे बड़ा कोई अपराध नहीं हो सकता। मेरे हिसाब से जो लोग संसद की कार्यवाही को जानबूझकर, योजना बनाकर बाधित करते हैं, उसे नहीं होने देते, उनकी सदस्यता खत्म करना या सदस्यता सस्पेंड करना तो एक बात है, उनके ऊपर संसद के खिलाफ ट्रीजन यानी विश्वासघात के महाभियोग का मुकदमा चलना चाहिए। क्योंकि इससे ज्यादा नुकसान देश और देश के लोकतंत्र को नहीं हो सकता है। प्रधानमंत्री द्वारा सांसदों को सदन में उपस्थित रहने को कहने की जरूरत ही नहीं पड़नी चाहिए थी। सांसदों को यह पता नहीं है क्या? ऐसा कहने की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि सांसद जिम्मेदारी से काम नहीं करते। एक प्रश्न यह भी उठता है कि यदि सांसद जिम्मेदारी से काम नहीं करते हैं, तो क्या उन्हें सांसद बने रहने का अधिकार है? कहने का अर्थ है कि कोई एक लाख लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहा है और वह अपना काम सही तरीके से नहीं कर रहा है। यह बहुत अजीब बात है सांसद कोई बच्चे तो हैं नहीं, ये भी नहीं है कि उनको समझ नहीं है, तो उन्हें ये बात कहने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। लेकिन यह बहुत दुख की बात है कि सांसदों को यह बताना पड़ रहा है, या इस बात की चेतावनी देनी पड़ रही है कि वे संसद के सत्र में उपस्थित रहें। एक बात और, जो दल सत्ता में होता है, उसका भी यह कर्तव्य होता है कि वह संसद को सही तरीके से चलाये लेकिन यदि सत्तारूढ़ दल संसद में चर्चा होने ही नहीं देना चाहता, तो ऐसे में संसद में होने वाले हंगामे के कारण भी बहुत से सांसद यहां आना नहीं चाहते होंगे।

दुखद है सेनानायक का जाना

ले जनरल रामेश्वर यादव

जनरल बिपिन रावत जैसे सेनानायक का यूं अचानक चले जाना बहुत दुखद और नुकसानदेह है। नुकसानदेह इसलिए कि वर्तमान में जो भू-राजनीतिक परिदृश्य है। उसमें उत्तर में, लद्दाख में चीनी सैनिक हरकतों से बाज नहीं आ रहे, वहीं पूर्वोत्तर में भी, पूरे तिब्बत के अंदर बड़े पैमाने पर चीनी सैनिक तैनात हैं। दूसरी तरफ पाकिस्तान की तरफ से घुसपैठिये बहुत ज्यादा सक्रिय हैं। पिछले दो वर्षों से, जब से धारा 370 और 35ए समाप्त हुआ है, तब से पाकिस्तान की कोशिश यही रही है कि किसी तरह कश्मीर में फिर से अस्थिरता पैदा की जाए, क्योंकि वहां के हालात सामान्य होते जा रहे हैं, विकास हो रहा है और आमजन की जिंदगी में काफी सुधार आया है, जो उसे सहन नहीं हो रहा। वहीं, अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता दोबारा से आ गयी है। वर्ष 1990 के अंदर कश्मीर विद्रोह शुरू करने के लिए पाकिस्तान ने तालिबान का इस्तेमाल किया था। हालांकि, अब तक ऐसी कोई चीज देखने में नहीं आयी है, लेकिन हम इस बात को खारिज भी नहीं कर सकते हैं कि आनेवाले समय में पाकिस्तान अस्थिरता फैलाने के लिए तालिबान की कुछ मदद ले ले। ऐसे समय में जनरल रावत के चले जाने से हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा बहुत संवेदनशील स्थिति में है।

जनरल रावत संस्था निर्माता थे। जब कोई नयी चीज शुरू की जाती है, तो उसकी दिशा सही होनी चाहिए। जनरल रावत पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी थी, उन्होंने उम्दा तरीके से अपने कर्तव्य को निभाया है। नयी-नयी चीजें उन्होंने शुरू की हैं। इनमें सबसे अहम है सेना के तीनों अंगों को आपस में एकीकृत करना, ताकि उनके बीच तालमेल बना रहे। जब भी युद्ध हो और उसमें तीनों सेना- जल, थल और वायु- शामिल हों, तो वे बेहतर तालमेल के साथ व प्रभावी तरीके से साथ काम कर सकें। इसके लिए उन्होंने बहुत काम किया है। जनरल रावत ने जो योजनाएं बनायी हैं, नये-नये आयाम उन्होंने कायम किये हैं, जो आधुनिकीकरण उन्होंने किया है, उसे लेकर बहुत अच्छा काम होता रहेगा। हालांकि उनके चले जाने का थोड़ा असर पड़ेगा, लेकिन इस समय पास काफी सीनियर कमांडर हैं, जो बहुत सक्षम हैं और वे इन चीजों को संभाल लेंगे।

देश में थियेटर कमांड की जो बात उठी है, उसका विचार और योजना जनरल रावत की ही थी। उनकी इस सोच के कारण आनेवाले समय में भारतीय सेना को बहुत लाभ होनेवाला है। आज के समय इसकी जरूरत भी है, ताकि युद्ध की जो भी योजना बने, वह बिल्कुल सही रहे। सही समय पर, सही तरह की सेना और सही तरह के हथियारों का इस्तेमाल हो, जो आर्थिक रूप से भी सही रहे और सेना का उद्देश्य भी जल्द से जल्द पूरा हो सके। सेना के अंदर आपको हर हाल में विजयी होना होता है, इसके अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं होता। लिहाजा, उस जीत को पाने के लिए संस्था के अंदर जो बदलाव किये गये हैं, उन्हें सीडीएस के तौर पर जनरल रावत ने ही शुरू किया था। हम आज भी अपने तकरीबन 70 प्रतिशत हथियार, गोला-बारूद दूसरे देशों से आयात करते हैं। इसे देखते हुए आत्मनिर्भर भारत अभियान के जरिये हमारे प्रधानमंत्री ने नयी मुहिम शुरू की है। हम इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनें, इसके लिए प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री दोनों काम कर रहे हैं। अब भी हमारे पास तकनीक और हथियार बनाने के इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है। हालांकि आत्मनिर्भर भारत अभियान के जरिये अब इसमें तेजी लाने की कोशिश की जा रही है, ताकि ज्यादा से ज्यादा हथियार, गोला-बारूद हमारे देश में बनें और हम उस इसे आयात करने की जगह, उनका निर्यात करने की स्थिति में आ जाएं। अभी तक केवल सरकारी कंपनियां, पीएसयू ही हथियारों का निर्माण कर रही थीं, लेकिन अब निजी क्षेत्र भी हथियार निर्माण के क्षेत्र में आगे आ रहे हैं। इन सबके लिए योजना बनाना कि क्या चीज चाहिए, कितनी तादाद में चाहिए, किस तरह की तकनीक का इस्तेमाल होना चाहिए, इसे लेकर सीडीएस मुख्यालय में मंत्रणा होती थी और उसे आगे बढ़ाया जाता था।

चूंकि जनरल रावत सीडीएस थे, तो सेना की तरफ से सरकार को जो सलाह देनी होती है, वे ही देते थे। वे वन प्वाइंट एडवाइजर का काम करते थे। अब तक यह होता था कि सेना के तीनों अंगों के अलग-अलग प्रमुख होते थे, पर हमारी एक व्यवस्था थी, जिसके तहत तीनों से सलाह होती थी। हालांकि उस व्यवस्था में थोड़ी-सी कमी थी, लेकिन सीडीएस का रैंक आने के बाद यह कमी काफी हद तक दूर हो गयी। सीडीएस एक नयी संस्था है, जो भारत के लिए बहुत जरूरी है। जनरल रावत बहुत स्पष्ट सोच के व्यक्ति थे। बहुत कम बोलने वाले, लेकिन काम में एकदम माहिर। बेहद बुद्धिमान और स्मार्ट अधिकारी थे। चूंकि वे बेहद काबिल थे, उनका करियर बहुत उत्कृष्ट रहा है, इसी कारण वे पहले सीडीएस भी बने। इस काम के लिए वे एकदम सही व्यक्ति थे। पहले सीडीएस होने के नाते उनके ऊपर बहुत ज्यादा जिम्मेदारी थी कि इस संस्था को इस प्रकार शुरू किया जाए, ताकि उनके बाद जो भी सीडीएस आएं, उनको पूरी तरह से गतिशील व सक्रिय व्यवस्था मिले, ताकि वे सही तरीके से काम कर सकें। इसके लिए जनरल रावत पूरे मनोयोग से काम कर रहे थे। सैन्य बलों की क्षमता को बढ़ाने में योगदान देने के लिए राष्ट्र उन्हें याद रखेगा। वास्तव में सैन्य बलों और राष्ट्र के लिए यह कभी न भरने वाली कमी है।

पत्तागोभी में मौजूद विटामिन और लवण सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इसमें पर्याप्त मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट और फाइटोकेमिकल्स पाए जाते हैं, जो सेहतमंद बनाने के साथ ही त्वचा को पोषित करने का भी काम करते हैं।

आयरन, विटामिन और पोटेशियम से भरपूर है पत्ता गोभी

पत्ता गोभी की सब्जी आप लोगों ने कई बार खाई होगी। विश्वभर में अपने स्वाद से खाने का जायका बढ़ाने वाली पत्ता गोभी की बाजार में अनेक प्रजातियां विभिन्न रंगों में मौजूद हैं। पत्ता गोभी की ये प्रजातियां ग्रीन, पर्पल और रेडिश कलर में देखने को मिल जाती हैं। हमारे देश में ग्रीन कलर की पत्ता गोभी का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। पत्ता गोभी के फायदे की बात करें तो इसके अनेक स्वास्थ्य लाभ होते हैं। पत्ता गोभी में आयरन, विटामिन और पोटेशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

पत्ता गोभी के फायदे

त्वचा के लिए फायदे बेहद लाभकारी

त्वचा के लिए पत्ता गोभी के फायदे बेहद लाभकारी सिद्ध होती है, इसमें पर्याप्त मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं जो कि त्वचा कि देखभाल करने और पिम्पल्स को दूर करने में कारगर होते हैं। पत्ता गोभी के सेवन से चेहरे पर ग्लो आने लगता है इसमें पाए जाने वाला विटामिन-C कोलेजन स्तर को बढ़ाने और झुर्रियाँ को कम करने का काम करता है।

हृदय के लिए

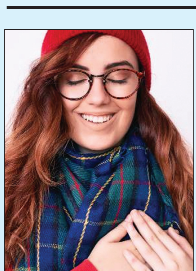

ये तो हम सभी जानतें हैं की बढ़ता कोलेस्ट्रॉल लेवल हृदय के लिए हानिकारक होता है। पत्ता गोभी में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा शून्य होने के कारण यह हृदय के लिए भी अच्छी मानी जाती है।

पत्तागोभी से बढ़ाएँ इम्युनिटी

पत्ता गोभी में पर्याप्त मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन-C पाया जाता है जो कि हमारे शरीर कि इम्युनिटी को बढ़ाने का काम करता है, जिसके कारण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रणाली मजबूत होती है।

आंखों के लिए भी लाभदायक

पत्ता गोभी के फायदे की बात करें तो इसमें पाए जाने वाले ल्यूटिन और जेक्सैथीन जैसे तत्व हमारी आंखों के लिए बेहद लाभकारी होते हैं, इसके आलावा पत्ता गोभी में विटामिन-E और अनेक पोषक तत्व भी पाए जाते हैं जो कि आंखों के लिए लाभदायक माने जाते हैं। पत्ता गोभी हमारे शरीर में बीटा कैरोटीन बढ़ाने का काम भी करती है और मोतियाबिंद जैसी बीमारी से भी बचाव करती है।

कब्ज के लिए लाभदायक

कब्ज की शिकायत आज के समय में अधिकतर लोगों को रहती हैं ऐसे में पत्ता गोभी का सेवन काफी लाभदायक सिद्ध होता है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है जो खाना पचाने में सहायता करता है और आपको कब्ज जैसी बीमारी से निजात दिलाता है।

वजन कम करने में लाभदायक

लगातार बढ़ते जा रहे वजन पर नियंत्रण करना चाहते हैं तो अपनी डाइट में पत्ता गोभी को जगह दीजिए। इसमें प्रचुर मात्रा में फाइबर पाए जाते हैं जो अपच जैसी समस्या को दूर करते हैं साथ ही इसमें कैलोरी की काफी कम मात्रा पायी जाती है।

पाचन तंत्र के लिए सेवन जरूर करें

अगर आप भी एक मजबूत और बेहतर पाचन तंत्र की उम्मीद रखते हैं तो पत्ता गोभी का सेवन जरूर करें। पत्ता गोभी पेट से संबंधित समस्याओं का समाधान करती है।

कैंसर में लाभदायक

कैंसर जैसी बीमारी में भी पत्ता गोभी के फायदे किसी दवा से कम नहीं रहते। इसमें पर्याप्त मात्रा में विटामिन-श्च और एंटीआक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं जो कि शरीर में कैंसर के लिए उत्तरदायी फ्री रेडिकल का निर्माण होने से रोकते हैं।

किसी के बारे में धारणा बनाने से पहले सच्चाई जाने

एक बार ट्रेन से पिता-पुत्र यात्रा कर रहे थे, पुत्र की उम्र करीब 24 साल की थी, पुत्र ने खिड़की के पास बैठने की जिद की, क्योंकि पिता खिड़की की सीट पर बैठे थे। पिता ने ख़ुशी ख़ुशी खिड़की की सीट पुत्र को दे दी, और खुद बगल में बैठ गये। ट्रेन में आस पास और भी यात्री बैठे थे, ट्रेन चली तो पुत्र बड़ी उत्सुकता से चिल्लाने लगा देखो पिता जी नदी, पुल, पेड़ पीछे जा रहे है, बादल भी पीछे छूट रहे है। पिता भी उसकी हाँ में हाँ मिला रहे थे। उसकी ऐसी हरकतों को देखकर वहां बैठे यात्रियों को लगा कि शायद इस लड़के को कोई दिमागी समस्या है, जिसके कारण यह ऐसी हरकत कर रहा है। पुत्र बहुत देर तक ऐसी अजीबोगरीब हरकत करता रहा। तभी पास बैठे एक यात्री ने पिता से पूछा कि- आप अपने पुत्र को किसी अच्छे डॉक्टर को क्यों नही दिखाते? क्योंकि उसकी हरकत सामान्य नहीं है, हो सकता है की कोई दिमागी बीमारी हो। उस यात्री की बात सुनकर पिता ने कहा- हम अभी डॉक्टर के पास से ही आ रहे हैं। पिता की सुनकर यात्री को आश्चर्य हुआ। पिता ने बताया कि- मेरा पुत्र जन्म से ही अंधा था। कुछ दिन पहले ही इसको आंखों की रौशनी प्राप्त हुई है, इसे किसी दूसरे की आंखें लगाई गई हैं, और जीवन में पहली बार यह दुनिया को देख रहा है। यह इसलिए ऐसी हरकत कर रहा है, क्योंकि ये सारी चीजें इसके लिए एकदम नई है। ठीक वैसे ही जैसे किसी छोटे बच्चे के लिए होती हैं। पिता की बात सुनकर आस-पास बैठे लोगों को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने पुत्र के पिता से माफी भी मांगी।

कहानी से शिक्षा - दोस्तों जिंदगी में कई बार हम बिना सच्चाई जाने ही कुछ लोगों के प्रति अपनी एक राय बना लेते हैं। क्योंकि हम उसके बारे में वही सोचते हैं, जो हमें दिखाई देता है। इसलिए किसी के बारे में राय बनाने से पहले हमे उसकी सच्चाई जान लेनी चाहिए। जिससे बाद में सच्चाई का पता लगने पर शर्मिंदा ना होना पड़े।

11 अंतर खोजें

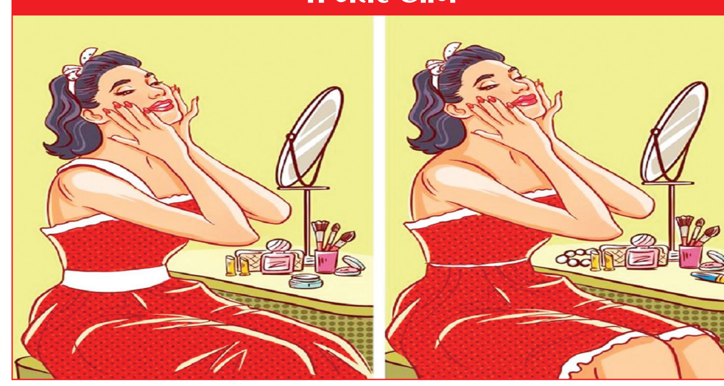

हंसना मना है

सोनू अपनी पत्नी से- जान, मैं तुम्हें बहुत प्यार करता हूं, बीवी- अच्छा, तो क्या मैं आपको नहीं करती? आपके लिए तो मैं पूरी दुनिया से लड़ सकती हूं। सोनू- लेकिन बेबी तुम तो बस मुझसे ही लड़ती रहती हो? बीवी-आप ही तो मेरी दुनिया हो

टीचर- तुम परिंदो के बारे में सब जानते हो? सचिन - हां टीचर- अच्छा ये बताओ कौन सा परिंदा उड़ नहीं सकता ?? सचिन - मरा हुआ परिंदा

एक भिखारी को 100 का नोट मिला वो फाइव स्टार होटेल में गया और भरपेट खाना खाया 1500 रुपये का बिल आया, उसने मेनेजर से कहा, पैसे तो नहीं है मैनेजर ने पुलिस के हवाले कर दिया भिखारी ने पुलिस को 100 का नोट दिया, और छूट गया इसे कहते हैं... फाइनेन्सियल मैनेजमेन्ट विदाउट एमबीए इन इंडिया

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। रोजगार की चिंता रह सकती है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। मानसिक दृढ़ता से निर्णय लेकर कार्य करना चाहिए।

वृषभ

शत्रु परास्त होंगे। भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त हो सकती है। रोजगार मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन गतिविधियां लाभकारी रहेंगी। व्यापार में नई योजनाओं का प्रारंभ होगा।

मिथुन

परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। परोपकार करके मानसिक सुख अर्जित करेंगे। व्यापारिक स्थिति आशाजनक रहेगी।

कर्क

'व्यर्थ भागदौड़ होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। विवाद न करें। कार्य निर्णय बहुत शांति से विचार करके करना ही शुभ है। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें। रुका धन मिलेगा। दुःखद समाचार मिल सकता है।

सिंह

फालतू खर्च होगा। अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। विवाद न करें। आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है। व्यापार में नए अनुबंध होंगे। व्ययों में कमी करना चाहिए।

कन्या

पुराना रोग उभर सकता है। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। आय में कमी रहेगी। स्वास्थ्य की समस्या हल होगी। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी। जीवनसाथी की भावनाओं को समझें।

तुला

नई योजना बनेगी। कार्य का विस्तार होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें। काम के प्रति दृढ़ता से कार्य में अनुकूल सफलता मिल सकेगी। पारिवारिक सुख व धन बढ़ेगा।

वृश्चिक

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। समाज के कामों में उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। नौकरी में तबादला तथा पदोन्नति के योग हैं।

धनु

कुसंगति से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। विवाद न करें। सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा। संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेंगे।

मकर

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा संभव है। विवाद न करें। रोजगार मिलेगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। आपकी मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति आपके जीवन में आनंद का संचार करेगी।

कुम्भ

सुख के साधन जुटेंगे। प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी।

मीन

वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ होगा। उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा। प्रतिष्ठित जनों से मेलजोल बढ़ेगा।

एक दूजे के हो गए विक्की कौशल और कैटरीना कैफ

आखिरकार जिस घड़ी का इंतजार फैंस को था वो आ गई। विक्की कौशल और कैटरीना कैफ ने फैंस को नाउम्मीद नहीं किया और अपनी शादी की खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर दी। विक्की कौशल और कैटरीना कैफ दोनों ने ही अपने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से ये शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। दोनों को एक साथ इस अंदाज में एक फ्रेम में देखने के लिए फैंस बेकरार थे और अब ये सब हकीकत में हो रहा है।

सुर्ख जोड़ा, माथा पट्टी, मांग में टीका, नाक में नथनी, हाथों में पिया का हाथ थामे कैटरीना कैफ बेहद ही खूबसूरत लग रही हैं। साथ ही विक्की कौशल के मन की खुशी उनके चेहरे पर साफ नजर आ रही है। अपनी दुल्हनिया को इस रूप में देख विक्की कौशल के तो होश हो उड़ गए और वो उन्हें एक टक बस देखते ही रह गए दोनों अब हमेशा हमेशा के लिए एक दूसरे के हो चुके हैं। इन खूबसूरत प्यार से भरी तस्वीरों को शेयर करते हुए कैटरीना कैफ और विक्की कौशल ने प्यारा सा मैसेज भी शेयर किया है। दोनों ने लिखा-हमारे दिलों में केवल प्यार और कृतज्ञता है जो हमें इस क्षण तक ले आई है। आप सभी के प्यार और आशीर्वाद की कामना करते हुए हम एक साथ इस नई यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं।

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड | मन की बात

प्रभास को 2021 के टॉप ग्लोबल एशियन सेलिब्रिटी का खिताब

प्रभास को 2021 के नंबर एक एशियाई सेलिब्रिटी के रूप में नामित किया गया है। सबसे बड़े पैन-इंडियन फिल्म स्टार ने यूके स्थित ईस्टर्न आई अखबार द्वारा कठिन ग्लोबल कॉम्पिटिशन को हराकर विश्व की 50 एशियाई हस्तियों की नवीनतम संस्करण सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया है। दुनिया के सबसे बड़े फिल्म उद्योग का चेहरा बदलने के लिए आधुनिक समय के आइकन हॉलीवुड, संगीत उद्योग, टेलीविजन, लिटरेचर और सोशल मीडिया सहित वैश्विक सितारों में आगे हैं। उनकी विनम्रता ऐसी है की इस डाउन टू अर्थ स्टार ने सूची में टॉप पर जगह बनाने पर कमेंट नहीं करने का फैसला किया और राधे श्याम, आदिपुरुष, सालार और स्पिरिट सहित आने वाली फिल्मों पर उनका ध्यान केंद्रित है। राधे श्याम के निर्देशक राधा कृष्ण कुमार को लगता है कि प्रभास सभी प्रशंसा के पात्र हैं और उन्होंने कहा, राधे श्याम पर प्रभास जैसे भारत के सबसे बड़े स्टार के साथ शूटिंग करना एक सपने जैसा अनुभव था। वह सेट पर जिस जुनून के साथ आते थे, वह अनुकरणीय था और हम सभी के लिए एक प्रेरक कारक था। दर्शकों के लिए राधेश्याम के साथ हमने जो मैजिक क्रिएट किया है, उसे दिखाने के लिए मैं रोमांचित हूं। प्रभास निस्संदेह एक प्रसिद्ध स्टार हैं, जो एक वैश्विक फैंडम का आनंद लेते हैं। अभिनेता का कद दिन पर दिन बढ़ता ही जा रहा है। एक तरफ प्रशंसक उन्हें राधे श्याम में एक लंबे अंतराल के बाद एक लवर बॉय की भूमिका में परदे पर वापस देखने के लिए बहुत उत्साहित हैं, वहीं दूसरी ओर प्रभास वर्ष 2022 और 2023 में विभिन्न अवतारों में कई अखिल भारतीय फिल्मों में काम करने के लिए तैयार हैं।

दुनिया के सबसे खुशहाल जानवर, जिसका चेहरा हमेशा मुस्कुराता हुआ दिखाई देता है

इस धरती पर जीवों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं। जिसमें से आपने कई प्रजातियों को देखा और उनके बारे में सुना होगा। इस धरती पर हर जीव अपने आप में अनोखा है और सभी के अपने अलग-अलग गुण हैं जिस गुणों के कारण वह पहचाने जाते हैं। इनमें से कुछ जीव हमें बहुत पसंद होते हैं, जो हमें क्यूट लगते हैं जिन्हें हमें खिलाने का मन करता है। वहीं देखा जाए तो कुछ प्रजातियों के बारे में सुनकर ही हमें डर लगता है। यहां सारे जीव अपने- अपने अनोखे व अलग अंदाज के लिए ही जाने जाते हैं। आज हम आपको ऐसे ही अनोखे जीव के बारे में बताने जा रहे हैं, जो हमेशा मुस्कुराता रहता है। इसे देखकर आपके चेहरे पर भी मुस्कान आ जाएगी... इस खुशहाल जानवर का नाम है कॉका। इस जानवर का चेहरा हमेशा मुस्कुराता हुआ नजर आता है। इसे देख कर ऐसा लगता है कि यह हंस रहा है लेकिन ऐसा नहीं है दरअसल इसके फेस की बनावट ही ऐसी है। इसकी मुस्कुराहट बेहद मनमोहक होती है तथा इसकी मनमोहक स्माइलिंग फेस के कारण इसे दुनिया का सबसे खुशहाल जानवर कहा जाता है। ये जीव पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के दलदली इलाकों और जंगलों में पाया जाता है। चूहे की तरह दिखने वाला ये जानवर बिल्ली जितना बड़ा होता है। ये मार्सुपियल्स की कैटेगरी में आते हैं यानी ऐसे जानवर जो कंगारू की तरह अपने पाउच में अपना बच्चा रखते हैं। इसे देखने के लिए पर्यटक दूर दूर से आते हैं साथ ही इसे सेल्फी लेने का बेहद शोक है। इसे देखने आने वाले पर्यटकों के साथ यह बड़े प्यार से सेल्फी खिंचवाता है। यह अपने परिवार के साथ या गुट में रहना पसंद करते हैं और ये रात में ही बहार निकलते हैं। आमतौर पर ये ऑस्ट्रेलिया के पश्चिमी हिस्से में मौजूद दलदली इलाके में रहते हैं। इसके अलावा रॉटनेस्ट द्वीप पर भी ये काफी संख्या में देखे जा सकते हैं।

अजब-गजब | हिमाचल के लाहौल-स्पीती में स्थित है यह रहस्यमयी झील

भारत की द मून लेक क्यों पूरे दिन बदलती है अपने रंग

भारत में कई ऐसी झीलें हैं जो काफी खूबसूरत दिखती है यह लोगों के पर्यटक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाती है। वैसे तो पूरे देश में देखने के लिए कई स्थल हैं, पर आज हम आपको बताएंगे एक ऐसी झील के बारे में जिसे द मून लेक कहा जाता है। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीती जिले में स्थित है यह झील, यह इतनी खूबसूरत है कि यहां हर साल पर्यटकों को ताता लगा रहता है। यहां देश- विदेश से कई पर्यटक घूमने आते हैं। यह जगह चारों तरफ से ग्लेशियर, ऊंचे पहाड़ और खूबसूरत वादियों से घिरा नजर आता है। टापू पर होने की वजह से यह एक अर्धचांद के रूप में दिखता है। सर्दियों में यहां काफी बर्फबारी होती जिसकी वजह से यहां जाना सुरक्षित नहीं माना जाता है, कुछ समय के लिए इस स्थान को बंद कर दिया जाता है, यह दुनिया के सबसे खूबसूरत झीलों में से एक है जिसकी उंचाई समुद्रतल से 14100 फीट है। तेज हवाओं की वजह से यहां का तापमान काफी कम हो जाता है। हिमाचल के स्पीति और कुल्लू घाटी से कुछ ही दूरी पर

मौजूद है यह झील।

क्यों है यह झील खास?

यह झील भी अन्य झीलों की तरह ही दिखती है पर यहां एक चौकाने वाली बात देखने को मिलती है, इस झील का पानी दिन भर में तीन बार अपना रंग बदलता है जो इसे काफी खास बनाता है। लोग इसे मीठे पानी की झील भी कहते हैं, बताया जाता है कि इसका पानी पीने में काफी मिठा है, इस झील को लोग धार्मिक आस्था की नजरों से भी देखते हैं। ऐसा माना जाता है कि रात में इस झील के ऊपर परियां उड़ती हैं और पौराणिक कथाओं के अनुसार, सबसे बड़े पांडव, युधिष्ठिर को इसी झील से इंद्र के रथ द्वारा स्वर्ग में ले जाया गया था। इस स्थान पर विशेष रूप से मई से अक्टूबर तक जाना चाहिए जब झील के किनारे लगे विशाल घास के मैदान हरे-भरे हो जाते हैं और जंगली फूलों की सुंदरता देखने को मिलती है।

कांग्रेस प्रत्याशियों की पहली सूची इसी माह जारी होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी अपने प्रत्याशियों की पहली सूची इसी माह जारी करेगी। पार्टी की घोषणा के मुताबिक उम्मीदवारों की पहली सूची में महिलाओं को 40 फीसदी टिकट दिए जाएंगे। पहली सूची में सौ से सवा सौ प्रत्याशियों के नाम होने की संभावना है।

कांग्रेस पार्टी के महिला घोषणा पत्र को बीती आठ अगस्त को जारी करते हुए पार्टी महासचिव व प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी जल्द प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करने का संकेत दिया था। उससे पहले प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में चुनाव अभियान समिति के साथ बैठक की थी। बैठक में भी कई सदस्यों ने भी यह सुझाव दिया था कि टिकट जल्दी घोषित कर दिए जाएं। कांग्रेस पार्टी ने विधान सभा चुनाव के टिकट के लिए इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किये थे। प्राप्त आवेदनों की स्क्रीनिंग के लिए पार्टी की

इलेक्शन स्क्रीनिंग कमेटी जोनवार बैठकें कर आवेदकों से साक्षात्कार कर रही है। कमेटी उनका रिकार्ड भी देख रही है और चुनाव लड़ने के लिए दमखम परख रही है। इसमें खासतौर पर कांग्रेस पार्टी की ओर से नौ और 10 अगस्त को चलाये गए प्रदेशव्यापी भाजपा गद्दी छोड़ो अभियान, 19 से 21 अगस्त तक चले जय भारत महासंपर्क अभियान और प्रतिज्ञा यात्राओं में आवेदकों की सक्रियता व भागीदारी पर गौर किया जा रहा है। पार्टी की सांगठनिक गतिविधियों में उनके योगदान का मूल्यांकन भी किया जा रहा है।

भाजपा सरकार की नीतियों का विरोध

भाजपा गद्दी छोड़ो आंदोलन के तहत कांग्रेस की ओर से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में महंगाई, बेरोजगारी और सरकार की नीतियों के खिलाफ पांच किलोमीटर लंबा पैदल मार्च आयोजित किया गया था। वहीं जय भारत महासंपर्क अभियान के तहत पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को वार्डों और ग्राम सभाओं में 75 घंटे के प्रवास के दौरान कई तरह की गतिविधियों में हिस्सा लेना था। स्क्रीनिंग कमेटी ने गोरखपुर, अयोध्या, कानपुर, झांसी, गाजियाबाद, मेरठ, मुरादाबाद जोन में बैठकें कर ली हैं।

लखनऊ में वकीलों पर दर्ज हैं 194 मुकदमे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» **13 दिसंबर को पुलिस आयुक्त हाईकोर्ट में देंगे हलफनामा**

लखनऊ। लखनऊ हाइकोर्ट की सख्ती के बाद वकीलों पर दर्ज मुकदमों की सूची बनाई जा रही है। अब तक की जांच में सामने आया है कि राजधानी के अलग अलग थानों में अधिवक्ताओं पर कुल 194 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें कुछ सामान्य हैं तो कुछ गंभीर धाराओं में पंजीकृत हैं। खास बात यह है कि इनमें अधिकांश मामले अभी हाजिरी में चल रहे हैं।

आंकड़ों के मुताबिक कुल मुकदमों में करीब 135 मुकदमों में हाजिरी चल रही है। शेष विचाराधीन हैं। वहीं, कुछ अंतिम रिपोर्ट के लिए स्वीकृत के लिए विचाराधीन है। यही नहीं कुछ की विवेचना अभी जारी है। बहुत कम मामले ऐसे हैं, जिनमें गवाही जारी है। इनमें कुछ अधिवक्ताओं पर कई-कई मुकदमे दर्ज हैं। हाइकोर्ट ने 13 दिसंबर को पुलिस आयुक्त से हलफनामा दाखिल कर वकीलों पर दर्ज मुकदमों का ब्योरा और उसका स्टेटस बताने के लिए कहा है। गुरुवार को गिरफ्तार किए गए दोनों वकीलों को शुक्रवार को प्रभारी एसीजेएम शांतनु त्यागी ने 23 दिसंबर तक के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। गौरतलब है कि वर्ष 2017 में महिला न्यायिक अधिकारी से कोर्ट के भीतर गाली गलौज, आपत्तिजनक टिप्पणी व अभद्रता की गई थी। इस मामले में पुलिस ने दो अधिवक्ताओं को गिरफ्तार किया था। इससे पहले इलाहाबाद हाइकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने सख्त टिप्पणी की थी। कोर्ट ने कहा था कि कुछ कलंकित वकीलों के कारण इस पेशे को बदनाम नहीं होने दिया जा सकता।

31 दिसंबर तक चार करोड़ वैक्सीन लगाने का लक्ष्य

» **ओमिक्रॉन के खतरे को लेकर सीएम योगी गंभीर**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट के खतरे को भांपते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने इससे बचाव की तैयारियों को और तेज कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्च स्तरीय बैठक में निर्देश दिए हैं कि 31 दिसंबर तक चार करोड़ लोगों को कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीन लगाई जाए। यानी इन बचे दिनों में प्रतिदिन कम से कम 17 लाख से अधिक टीके लगाए जाएं।

उन्होंने अस्पतालों में कोरोना से बचाव के लिए किए जा रहे इंतजामों को परखने के लिए 17 दिसंबर व 18 दिसंबर को माक ड्रिल कर तैयारी को परखने के निर्देश दिए हैं। उत्तर प्रदेश में अब तक 11.63 करोड़ लोगों ने वैक्सीन की पहली और इसमें से 5.58 करोड़ लोगों ने दोनों डोज लगवाई है। अभी भी 3.12 करोड़ लोग टीका लगवाने केन्द्रों तक नहीं पहुंचे हैं। फिलहाल उत्तर प्रदेश कुल 17.21 करोड़ वैक्सीन लगाकर देश में अव्वल है, लेकिन ओमिक्रोन वैरिएंट से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान को और तेज करने के निर्देश उन्होंने अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने

कहा कि प्रदेश में अब सभी जिलों में कोरोना की आरटीपीसीआर जांच के लिए लैब है। ऐसे में कोविड जांच की संख्या में बढ़ोतरी की जाए। उन्होंने कहा कि विश्व के कई देशों और दूसरे राज्यों में कोरोना का ओमिक्रॉन वैरिएंट पाया गया है। अभी उत्तर प्रदेश में इसका कोई केस नहीं मिला है, ऐसे में बचाव के सभी जरूरी उपाय सख्ती के साथ किए जाएं। निगरानी कमेटियों को सतर्क किया जाए और दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ. अजय घई ने बताया कि अब कोरोना से संक्रमण से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान में और तेजी लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। क्लस्टर माडल के दूसरे चरण में ऐसे 3.12 करोड़ लोग जिन्होंने अभी तक टीका नहीं लगवाया है, उन्हें चिन्हित कर लिया गया है।

सरकार की उपलब्धियां गिनाएंगे भाजपाई

» **पिछली सरकार में होने वाले उत्पीड़न की याद भी दिलाएंगे**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। विधानसभा चुनाव 2022 में एक बार फिर सरकार बनाने की तैयारी में जुटे भाजपा कार्यकर्ताओं में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली ने जोश भर दिया है। विकास के लिए डबल इंजन की सरकार के फायदे बताते हुए मोदी सपा पर हमलावर भी नजर आए थे। इसी महीने 15 तारीख के बाद शुरू होने वाली यात्रा पर भी इसका असर दिखने वाला है। यात्रा के जरिए भाजपा कार्यकर्ता अपनी सरकार में किए गए विकास कार्यों को तो गिनाएंगे ही, विपक्षी के आने पर होने वाले उत्पीड़न को लेकर खतरे की घंटी भी बजाएंगे।

रैली के अगले दिन भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय पर हुई बैठक में खतरे की घंटी वाली बात चर्चा में रही। भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता डा. योगेश प्रताप सिंह कहते हैं कि प्रधानमंत्री ने जो भी बातें कही थीं वह अक्षरशः सत्य है। लोगों ने पिछली सरकार में डर देखा है। भाजपा सरकार में आम आदमी के हित में काम किया जा रहा है। हम कार्यकर्ता लोगों को उपलब्धियां तो बताएंगे ही, पिछली सरकार में होने वाले उत्पीड़न की याद भी दिलाएंगे। थानों पर सुनवाई की जो बदतर स्थिति थी, इसे भी लोगों से साझा करेंगे। पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों में निकाली जाने वाली यात्रा में खाद कारखाना, एम्स की स्थापना से होने वाले फायदों को भी गिनाया जाएगा। जनता भाजपा सरकार में हुए विकास कार्यों को स्वीकार कर रही है। उनके मन में पिछली सरकार की नकारात्मक बातें अभी भी हैं, बस ताजा करने की जरूरत है।

स्वच्छता अभियान

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। भाजपा संगठन के निर्देशानुसार पश्चिम मंडल एक के न्यू हैदरगंज प्रथम वार्ड बीबीगंज में स्थित बड़ा शिवालय मंदिर के प्रांगढ़ में स्वच्छता ही सेवा है कार्यक्रम के अंतर्गत साफ-सफाई की गई। इस मौके पर अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रामचन्दर कन्नौजिया, अवध क्षेत्र व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक आदरणीय पुरुषोत्तम पुरी, महानगर के मंत्री डॉ यूएन पांडेय, पार्षद विजय कुमार, मंडल अध्यक्ष अजय सोनी, राजेश मिश्रा(राजन), आनन्द अवस्थी, विनोद राजपूत आदि ने स्वच्छता अभियान में भाग लिया।

धर्म त्याग कर हिंदू बने रिजवी की मुश्किलें बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुस्लिम धर्म त्याग कर हिंदू बने वसीम रिजवी (जितेंद्र नारायण) की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। वह कई पदों से हटाए जाएंगे। वह शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के सदस्य भी हैं। नियम के मुताबिक एक मुस्लिम ही बोर्ड का सदस्य रह सकता है।

शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के सदस्य सैय्यद फैजी ने उनकी बोर्ड की सदस्यता रद करने की मांग की है। उन्होंने बोर्ड चेयरमैन अली जैदी को पत्र लिखकर जितेंद्र नारायण उर्फ वसीम रिजवी को सदस्य पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के लिए कहा है। शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड शिया समाज के लिए एक महत्वपूर्ण संस्था है। ऐसे में हम सबकी जिम्मेदारी है कि इसको सुचारू रूप से चलाया जाए। बोर्ड में सदस्य को रूप में वसीम रिजवी चुने गए थे, किंतु उन्होंने धर्म त्याग दिया है, इसलिए उनका पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

महंगा होगा गेहूं, चावल और दालें, रहें तैयार

» **तीनों कृषि कानून रद्द होने के बाद मंडी शुल्क फिर लागू**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्र सरकार द्वारा तीनों कृषि कानूनों को रद किये जाने के बाद यूपी सरकार ने प्रदेशभर में फिर से मंडी शुल्क लागू कर दिया है। अब राज्य में मंडी समिति परिसर के बाहर कारोबार करने वाले व्यापारियों को भी पहले की तरह डेढ़ फीसदी शुल्क देना होगा। इसमें एक प्रतिशत मंडी शुल्क और आधा प्रतिशत विकास सेस होगा। इससे खासतौर से गेहूं, चावल और दालें आदि महंगी हो सकती हैं।

राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद की ओर से प्रदेशभर में मंडी शुल्क लगाए जाने संबंधी निर्देश सभी कृषि उत्पादन मंडी समितियों को दे दिए गए हैं। वर्ष 2020 में नए कृषि कानूनों के लागू होने के बाद राज्य सरकार द्वारा आठ जून 2020 को शासनादेश जारी कर

मंडी समिति परिसर के बाहर कारोबार करने पर व्यापारियों से किसी तरह का मंडी शुल्क वसूलने की व्यवस्था समाप्त हो गई थी। सिर्फ मंडी परिसर में कारोबार पर ही व्यापारियों को मंडी शुल्क देना होता था। ऐसे में खासतौर से गल्ला व्यापारियों द्वारा मंडी परिसर के बाहर ही कारोबार किया जा रहा था। इससे उन्हें गेहूं, चावल, दाल आदि पर मंडी शुल्क नहीं देना पड़ रहा था। केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचना जारी कर पहली दिसंबर 2021 से तीनों कृषि कानूनों को रद किये जाने के बाद राज्य सरकार ने एक बार फिर से आठ जून 2020 से पहले लागू मंडी शुल्क वसूलने की व्यवस्था को फिर बहाल करने का निर्णय किया है। मतलब यह है कि अब राज्य में मंडी समिति परिसर के बाहर भी व्यापारियों को डेढ़ प्रतिशत मंडी शुल्क देना होगा। गल्ला व्यापारियों का कहना है कि सभी जगह मंडी शुल्क वसूलने का सीधा असर गेहूं, चावल, दाल आदि के भाव पर पड़ेगा। मसलन, तकरीबन दो हजार रुपये प्रति क्विंटल का गेहूं ही 30 रुपये और महंगा हो सकता है। व्यापारियों को नए सिरे से लाइसेंस भी बनवाना होगा। मंडी शुल्क संबंधी शासनादेश के क्रम में मंडी परिषद निदेशक अंजनी कुमार सिंह द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं। अपर मुख्य सचिव कृषि डॉ. देवेश चतुर्वेदी ने बताया कि मौजूदा स्टाक को लेकर कारोबारियों का उत्पीड़न कतई न करें।

पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर की दूसरी रिपोर्ट निगेटिव, कमिश्नरेट में राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर की दूसरी कोरोना रिपोर्ट आज शनिवार को निगेटिव पाई गई है। एक दिन पहले कोरोना संक्रमित होने के बाद उनका नमूना आरटीपीसीआर जांच को भेजा गया था। निगेटिव रिपोर्ट आने के बाद लखनऊ कमिश्नरेट के पुलिस अधिकारियों और कर्मियों समेत अन्य लोग भी राहत महसूस कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के बलरामपुर में आज होने वाले कायक्रम के प्रोटोकाल के तहत उनका कोविड टेस्ट कराए जाने पर कोविड संक्रमण की पुष्टि हुई थी। इससे कमिश्नरेट समेत अन्य विभागीय अधिकारियों में हलचल मच गई थी। वह कई अहम बैठकों में शामिल हुए थे। ऐसे में उनके साथ बैठक व कार्यक्रम में शामिल होने वाले अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के भी संक्रमित होने की आशंका बढ़ गई थी।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री का आज बलरामपुर में कार्यक्रम प्रस्तावित है। प्रोटोकाल के तहत लखनऊ एयरपोर्ट पर जाने वाले सभी अधिकारियों व अन्य का कोविड टेस्ट कराया गया था। इस दौरान पुलिस कमिश्नर की रिपोर्ट पॉजिटिव आने से पूरे विभाग में हलचल मच गई थी। डीजीपी के साथ भी एक बैठक में वह शामिल हुए थे।

ऐसे में कई अन्य अधिकारियों में भी संक्रमण की आशंका बढ़ गई थी। हालांकि अब उनकी निगेटिव रिपोर्ट से सभी राहत महसूस कर रहे हैं।

» कल रिपोर्ट आई थी पॉजिटिव तो मच गया था हड़कंप

» आज आरटीपीसीआर जांच में कमिश्नर को मिली राहत भरी खबर

पुलिस कमिश्नर ने फिर संभाला कार्यभार

कमिश्नरेट ने पुलिस आयुक्त की आरटीपीसीआर रिपोर्ट निगेटिव होने और उनके पूरी तरह स्वस्थ होने की बात कही है। पुलिस के अनुसार डीके ठाकुर को कोई लक्षण नहीं है और वह बिल्कुल ठीक हैं। अब वह पहले की तरह अपना कार्यभार संभाल रहे हैं। हालांकि इससे पहले कोविड संक्रमण की पुष्टि होने पर उन्होंने खुद को आइसोलेट कर लिया था। पुलिस आयुक्त के संपर्क में आए लोगों ने भी अपनी जांच के लिए सैंपल दिया है। अभी तक उनके संपर्क में आए किसी को भी कोरोना की पुष्टि नहीं हुई है।

खेलों में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिला सम्मान

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। स्पोर्ट्समैन एस्टेब्लिशमेंट वेलफेयर एसोसिएशन (सेवा) के तत्वावधान में होने वाली वार्षिक बैठक एवं खेलकूद समारोह स्पोर्ट्स कॉलेज कुर्सी रोड के प्रांगण में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में देश विदेश से भूतपूर्व खिलाड़ियों ने भाग लिया। वॉलीबाल, फुटबॉल एवं क्रिकेट की स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। खेलों में उत्कृष्ट योगदान के लिए खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। मुख्य कार्यक्रम का आयोजन मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में हुआ। जहां उत्तरप्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहसिन रजा मुख्य अतिथि रहे। रजा ने अपने उद्‌बोधन में खिलाड़ियों को शुभकामनाएं एवम यथासंभव योगदान का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर स्पोर्ट्स कॉलेज के पूर्व छात्रों जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व किया, उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में फुटबॉल के क्षेत्र में शमसी रजा व लॉन टेनिस में कमलेश मोहन को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व प्रशिक्षक एसएच नकवी, टीएन पांडेय, एसके खन्ना भी मौजूद रहे।

मर्जी के बगैर काल रिकार्ड करना निजता का उल्लंघन: हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बिना अनुमति पत्नी की काल रिकार्ड करना गलत

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में साफ कर दिया है कि पत्नी की नकारात्मक छवि दिखाने के लिए उसकी मर्जी के बगैर उसकी काल रिकार्ड करना उसकी निजता का उल्लंघन है। हाई कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के उस आदेश को भी रद कर दिया है, जिसके तहत बठिंडा फैमिली कोर्ट ने इस काल रिकार्डिंग को एक सबूत के तौर पर माना था। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए महिला ने बताया कि उसके और पति के बीच विवाद चल रहा है।

इस विवाद के चलते पति ने 2017 में बठिंडा की फैमिली कोर्ट में तलाक के लिए केस दाखिल किया था। इसी बीच, उसने अपनी व याची के बीच की बातचीत की रिकॉर्डिंग को सुबूत के तौर पर पेश किया। फैमिली कोर्ट ने इसे स्वीकार कर लिया जो की नियमों के मुताबिक सही नहीं है। इस पर पति की ओर से दलील दी गई कि उसे यह साबित करना है कि पत्नी क्रूर है और यह बातचीत उसका एक सबूत है। हाई कोर्ट ने इस पर हैरानी जताते हुए कहा कि कैसे कोई व्यक्ति किसी की निजता के अधिकार का हनन कर सकता है। जीवन साथी से फोन पर की गई बातचीत को बिना उसकी मंजूरी के रिकार्ड करना निजता के अधिकार के हनन का मामला बनता है।

मुजफ्फरनगर यौन शोषण के दोषियों को मिले कड़ी सजा : संजय सिंह

» राज्य सभा में आप सांसद ने उठाया मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में दसवीं की 17 लड़कियों को नशीला पदार्थ देने के बहाने उनका कथित यौन शोषण किए जाने का मुद्दा राज्यसभा में गूंजा। आम आदमी पार्टी के एक सदस्य ने इस मामले की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक अदालत का गठन किए जाने और दोषियों को कठोरतम सजा दिए जाने की मांग की।

शून्यकाल के दौरान आप सांसद संजय सिंह ने कहा यह घटना मुजफ्फरनगर में 18 नवंबर को हुई और पीड़ित लड़कियां नाबालिग हैं। उन्होंने कहा दो दिन तक एक निजी स्कूल में रखे जाने और कथित तौर पर यौन शोषण करने के बाद इन लड़कियों को धमकी दी गई कि अगर उन्होंने किसी को कुछ भी बताया तो उन्हें प्रैक्टिकल परीक्षा में अनुत्तीर्ण कर दिया जाएगा। वापस लौटने के कई दिन बाद एक लड़की ने अपने अभिभावकों को इसकी जानकारी दी। जब अभिभावक प्राथमिकी दर्ज कराने गए तो पुलिस थाने और कोतवाली में उनकी प्राथमिकी दर्ज करने से मना कर दिया गया। उन्होंने सहायक पुलिस अधीक्षक से शिकायत की तब प्राथमिकी दर्ज की गई। संजय सिंह ने इसे अत्यंत गंभीर घटना बताते हुए मांग की कि इसकी सुनवाई के लिए सरकार को एक त्वरित अदालत का गठन करना चाहिए, छह माह के अंदर पूरे मामले की सुनवाई होना चाहिए और दोषियों को ऐसी सजा दी जानी चाहिए जो मिसाल साबित हो। दलों के सदस्यों ने इस मुद्दे से स्वयं को संबद्ध किया।

यूपी का पहला विशेष प्रशिक्षण केंद्र लखनऊ में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» संस्कृति का परचम विदेशों में भी लहराएगा

लखनऊ। तहजीब के शहर-ए-लखनऊ की संस्कृति का परचम विदेशों में भी लहराएगा। विदेश जाने वाले युवा कामगारों को न केवल विदेशी संस्कृति से रूबरू कराया जाएगा, बल्कि उस देश के नियम और बोलचाल की भाषा का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। केंद्र सरकार के स्किल इंडिया के तहत राष्ट्रीय कौशल विकास निगम की पहल पर सूबे का पहला प्रशिक्षण केंद्र कानपुर रोड मानसरोवर मार्केट के पास एक निजी कोचिंग संस्थान में शुरू होगा। सरकारी प्रावधानों के अधीन इस प्रशिक्षण केंद्र में लखनऊ ही नहीं, प्रदेश के हर जिले के युवा कामगारों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। अन्य प्रदेश के सापेक्ष विदेश जाने वाले कामगार युवाओं की संख्या अधिक है। विदेश मंत्रालय के आंकड़ों पर गौर करें तो कोरोना काल को छोड़कर पांच वर्षों में प्रदेश से 1.10 लाख युवा विदेश में काम करने के लिए गए हैं। श्रमिकों के साथ ही ड्राइवर की नौकरी के लिए खाड़ी देशों में जाने वालों की संख्या अन्य देशों के मुकाबले अधिक है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, स्थानीय संपादक - सूर्यकांत त्रिपाठी*, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।